DR Krishnadeo kumar bharti
Assistant professor (G.T)
Dept of Political Science
C.M.j College Donwarihat
Khutauna, Madhubani
Email--Kdkbharti08@gmail.com
B.A Part---3 Date-18-07-2020
Mo.No--9234999361.

पर्यावरण संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कानून बनाने के लिए क्या प्रयास किये गए हैं?*(What steps has been taken for the formation of International Law regarding environmental protection.)*

पर्यावरण एक विश्वव्यापी सम्पत्ति है।इसमे दिन प्रतिदिन आ रही कमी एक विश्वव्यापी समस्या बनी हुई है।इसका समाधान कोई भी अकेला व्यक्ति, संस्था या देश नहीं कर सकता।इस समस्या पर नियंत्रण पाने के लिए सभी देशों को सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।इस बारे में विश्व स्तर पर कुछ सम्मेलन हुए जिसका वर्णन इस प्रकार है---

1. स्टाकहोलम सम्मेलन *1972*

स्वीडन के कुछ दार्शनिकों ने *1968* में संयुक्त राष्ट्र संघ का पृथ्वी का पर्यावरण की सन्तुलित स्थिति के प्रति ध्यान केन्द्रीत किया।स्वीडन के शहर स्टाकहोलम मे *5*से *16* जून *1972* को एक सम्मेलन हुआ।इस सम्मेलन में पर्यावरण की प्रदूषण की समस्या को जानने, इसका समाधान करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और समझौते की आवश्यकता पर बल दिया गया।इसलिए प्रत्येक वर्ष *5* जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है इस सम्मेलन में *26* मार्गदर्शक सिद्धान्तों और *109* विशेष सिफारिशों को अपनाया गया।इन सिद्धांतों और सिफारिशों के अधीन निम्नलिखित मुख्य व्यवस्थाएँ की गई---

*1.*स्वच्छ पर्यावरण में घूमने का प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है इसमें बृद्धि की जाय।
*2.*प्रदूषण और परिस्थितिक गड़बड़ और श्रोतों की समाप्ति के कारण पर्यावरण पर दबाव बढ़ा है।
3. गैर-नवीनीकरण श्रोतों का प्रयोग इस ढंग से किया जाय ताकि उसकी समाप्ति न हो सके।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए संयुक्त राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यक्रम की स्थापना की गई।इस संस्था ने कार्यवाही के लिए *1989* मे निम्नलिखित विश्व पर्यावरण की समास्याओं की पहचान की----

1. समताव वायुमंडल में ओजोन की सुरक्षा।
*2.*जलवायु परिवर्तन को रोकना।
3. जल प्रदूषण को रोकना और शुद्ध जल उपलब्ध कराना।
4. समुद्रीय और तटीय क्षेत्रों को प्रदूषण से बचाना।
*5.*भूमि श्रोतों की समाप्ति और गिरावट होने से सुरक्षा करना।
6. जैविक विभिन्नता की सुरक्षा।
7. मानवीय स्वास्थ्य और जीवन की श्रेष्ठता की सुरक्षा करना आदि।

नेरोबी सम्मेलन,*1982*---

1982 में संयुक्त राष्ट्र संघ का नेरोबी मे पर्यावरण पर एक सम्मेलन हुआ, जिसको नेरोबी सम्मेलन का नाम दिया जाता है इस सम्मेलन में विश्व पर्यावरण *1972--82* नाम की एक रिपोर्ट को स्वीकार किया गया। इसमें पर्यावरण के प्रदूषण सम्बन्धी विषयों पर विचार विर्मश किया गया।

3. रियो शिखर सम्मेलन *1992* ---

संयुक्त राष्ट्र संघ ने ब्राजील में रियो डी जनेरियो मे *3* से *14* जून,*1992* तक हमारे साझे भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए पृथ्वी शिखर सम्मेलन को बुलबाया गया।इसमे *115* राज्यों के अध्यक्षों ने भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में *6* विषयों को ग्रहण किया गया।

1. ग्रीन हाउस गैस निकास ।
2. वन ।
3. जनसंख्या।
4. वित्त*(*विश्व पर्यावरण सुविधा*)*

इस पृथ्वी शिखर सम्मेलन में रियो घोषणा और एजेंडा *21* को निरन्तर विकास के लिए योजना के रूप में अपनाया गया।

4. किओटो शिखर सम्मेलन *1997* ---

आगे, धन्यवाद।

2020-07-18
From vivo Note.

Scanned with CamScanner